२०१०-११

शास्त्री परीक्षा

खण्ड- प्रथम, अधिसत्र- द्वितीय

विषय- पालि पत्र- सप्तम

समयः ३½ घण्टा सम्पूर्णाङ्क- ५०

निर्देशः एक पंक्ति में १० शब्द तथा एक पृष्ठ में कम से कम ८ पंक्तियों में उत्तर लिखना अपेक्षित है।

१- 'महापरिनिब्बानसुत्त' के आधार पर'शील के गुणों'का वर्णन करें। 8

अथवा

'सुभद्र परिब्राजक'की प्रब्रज्या ५०० शब्दों में लिखिए।

२- भगवान् तथागत के शरीर के 'स्तूप निमार्ण'की कथा संक्षेप में लिखिए। 7

अथवा

पाठ्यग्रन्थ के आधार पर 'सात अपरिहाणीय धर्मों' का वर्णन कीजिए।

३- निम्नलिखित गद्य की २५० शब्दों में सप्रसङ्ग व्याख्या लिखें। 5

"तमिदं भिक्खवे। दुक्खं अरियसच्चं अनुबुद्धं पटिविद्धं ।
दुक्खसमुदयं अरियसच्चं अनुबुद्धं पटिविद्धं। दुक्खनिरोधं
अरियसच्चं अनुबुद्धं पटिविद्धं। दुक्खनिरोध गामिनी
पटिपदा अरियसच्चं अनुबुद्धं पटिबिद्धं। उच्छिन्ना भवतण्हा,
खीणा भवनेत्ति। नत्थि दानि पुनब्भवो" ति।

अथवा

गाथा की व्याख्या लिखें।

"ये तरन्ति अण्णवं सरं ,सेतुं कत्वान पल्ललानि।
कुल्लं हि जनो पबन्धति, तिण्णा मेधाविनो जना' ति।।" कृ०प०उ०...२

४- किन्हीं <u>दो</u> पर २०० शब्दों में टिप्पणी लिखिए- 10

क- धम्मदासो

ख- अम्बपाली

ग- बोधिपाक्षिक धर्म

घ- बोध्यङ्ग

५- किन्हीं <u>एक</u> पर ५०० शब्दों में निबन्ध लिखिए- 10

क- मज्झिमा पटिपदा।

ख- निब्बाणं ।

ग- अनित्यवाद।

६- किन्हीं <u>पाँच</u> वाक्यों का पालि में अनुवाद कीजिए- 10

क- विद्यार्थी गुरु की सेवा करते हैं।

ख- महास्थविर भिक्षुओं को उपदेश देते हैं।

ग- सभी संस्कार अनित्य हैं।

घ- उपासक भिक्षुओं को दान देता है।

ङ- वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।

च- मैं बुद्ध की शरण जाऊँगा।

छ- मैं एक बार "बोधगया" गया था।

ज- तीर्थस्थलों का भ्रमण करना चाहिए।

झ- बालक सर्प से डरता है।

ञ- बुद्ध की पूजा से महत्पुण्य की प्राप्ति होती है।

oooooooo